प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2019-20

हिंदी (आधार) (कोड-302)

कक्षा - XII

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं - क, ख, ग।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- चार अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।
- पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

	खंड - क	16
1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**	12
	सिने जगत के अनेक नायक-नायिकाओं, गीतकारों, कहानीकारों और निर्देशकों को हिन्दी के माध्यम से पहचान मिली है। यही कारण है कि गैर- हिन्दी भाषी कलाकार भी हिन्दी की ओर आए हैं। समय और समाज के उभरते सच को परदे पर पूरी अर्थवत्ता में धारण करने वाले ये लोग दिखावे के लिए भले ही अंग्रेज़ी के आग्रही हों, लेकिन बुनियादी और ज़मीनी हकीकत यही है कि इनकी पूँजी, इनकी प्रतिष्ठा का एकमात्र निमित्त हिन्दी ही है। लाखों-करोड़ों दिलों की धड़कनों पर राज करने वाले ये सितारे फ़िल्म और भाषा के सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं। 'छोटा परदा' ने आम जनता के घरों में अपना मुकाम बनाया, तो लगा हिन्दी आम भारतीय की जीवन-शैली बन गई। हमारे आद्यग्रंथों, रामायण और महाभारत को जब हिन्दी में प्रस्तुत किया गया, तो सडकों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया। 'बुनियाद' और 'हम लोग' से शुरू हुआ सोप ऑपेरा का दौर हो या सास-बहू धारावाहिकों का, ये सभी हिन्दी की रचनात्मकता और उर्वरता के प्रमाण हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' से करोड़पति चाहे जो बने हों, पर सदी के महानायक की हिन्दी	

	हर दिल की धड़कन और हर धड़कन की भाषा बन गई। सुर और संगीत की प्रतियोगिताओं में कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, सिक्किम जैसे गैर-हिन्दी क्षेत्रों के कलाकारों ने हिन्दी गीतों के माध्यम से पहचान बनाई। ज्ञान गंभीर 'डिस्कवरी' चैनल हो या बच्चों को रिझाने-लुभाने वाला 'टाम ऐंड जेरी' - इनकी हिन्दी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्भुत, प्रभावी और ग्राह्य है। धर्म-संस्कृति, कला-कौशल, ज्ञान-विज्ञान - सभी कार्यक्रम हिन्दी की संप्रेषणीयता के प्रमाण हैं।	
(1)	गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए ?	1
(2)	गैर-हिन्दी भाषी कलाकारों के हिन्दी सिनेमा में आने का कोई एक कारण लिखिए।	1
(3)	'छोटा परदा' से क्या तात्पर्य है ? इसका आम जन-जीवन की भाषा पर क्या प्रभाव पड़ा?	2
(4)	कुछ बहुप्रचलित और लोकप्रिय धारावाहिकों के उल्लेख से लेखक क्या सिद्ध करना चाहता है ?	2
(5)	'सदी का महानायक' से लेखक का संकेत किस फिल्मी सितारे की ओर है और लोगों पर इनका क्या असर हुआ ?	2
(6)	फ़िल्म और टी वी ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में क्या भूमिका निभाई है ? संक्षेप में लिखिए।	2
(7)	'उच्चारण' और 'भारतीय' शब्दों में निहित उपसर्ग और प्रत्यय को छाँटकर लिखिए।	2
2.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -**	1×4=4
	मेरे पाँव बहुत छोटे हैं धरती बहुत बड़ी है माँ ! मेरी उँगली थामे मेरे बिलकुल पास खड़ी रह माँ ! तेरा नेह कवच-कुंडल है, तेरा परस ढाल मेरी , ऐसी थकन थका हूँ अबकी थकने लगी चाल मेरी, अंध कूप में उतर रहा हूँ कैसी विकट घड़ी है माँ ! मेरी उँगली थामे मेरे बिलकुल पास खड़ी रह माँ ! जब भी चाहा सुख से जी लूँ दुःख ने आकर घेर लिया, जितना अधिक सहा उतना ही नाम तुम्हारा टेर लिया, मरुस्थलों के तपते पथ में तू ही मेघ-झड़ी है माँ ! मेरी उँगली थामे मेरे बिलकुल पास खड़ी रह माँ ! राहें जिसकी मंज़िल होंगी उसको तो चलना ही होगा,	

	जो वसंत का अधिकारी है उसको तो जलना ही होगा। ऋतु-चक्रों की हर वेला में तू ही पुष्प-लड़ी है माँ ! मेरी उँगली थामें बिलकुल पास खड़ी रह माँ !	
(1)	माँ के स्नेह को कवच कुंडल क्यों कहा गया है ?	1
(2)	विषम परिस्थितियों में माँ ही क्यों याद आती है ?	1
(3)	"मरुस्थलों के तपते पथ में तू ही मेघ-झड़ी है माँ !"- पंक्ति का भाव लिखिए।	1
(4)	उन पंक्तियों को उद्धृत कीजिए, जिनका भाव है–जीवन में विविध अनुभवों के बीच माँ का साथ फूलों जैसा सुहाना होता है।	1
	अथवा	
	मिट्टी तन है, मिट्टी मन है, मिट्टी दाना-पानी है। मिट्टी ही तन-बदन हमारा, सो सब ठीक कहानी है। पर जो उलटा समझ इसे ही बने आप ही ज्ञानी है। मिट्टी करता है जीवन को जो और बड़ा अज्ञानी है। समझ सदा अपना तन मिट्टी, मिट्टी जो कि रमाता है। मिट्टी करके सरबस अपना मिट्टी में मिल जाता है, जगत है सच्चा तनिक न कच्चा समझो बच्चा इसका भेद। खाओ-पीओ कर्म करो नित, कभी न लाओ मन में खेद। रचा उसी ने है यह जग तो निश्चय उसको प्यारा है। इसमें दोष लगाना अपने लिए दोष का द्वारा है।	
(1)	कवि ने कैसे ज्ञानियों पर कटाक्ष किया है ?	1
(2)	जीवन को मिट्टी करने से कवि का क्या आशय है ?	1
(3)	कवि संसार को सच्चा मानकर क्या संदेश देना चाहता है ?	1
(4)	यह संसार भगवान को प्रिय क्यों है ?	1
	खंड - ख	20
3.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए -**	5
	क) काश ! मैं उड़ पाता ख) जहाँ न पहुँचे रवि वहाँ पहुँचे कवि ग) चाँदनी रात और मैं	
4.	आपके क्षेत्र में एक सड़क को चौड़ा करने के बहाने आवश्यकता से अधिक पेड़ काटे गए हैं। इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए वन और पर्यावरण विभाग को लगभग 80-	5

	100 शब्दों में पत्र लिखिए ।	
	अथवा	
	किसी प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को गाँवों में चिकित्सा-सुविधाओं के अभाव का उल्लेख करते हुए एक विशेष चिकित्सा-सुविधाओं वाला अस्पताल खोलने का सुझाव प्रकाशित करने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए।	
5.	**निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 15-20 शब्दों में लिखिए -**	1×5=5
क)	'पेज थ्री' पत्रकारिता का क्या तात्पर्य है ?	1
ख)	'फ्लैश' या 'ब्रेकिंग न्यूज़' किसे कहते हैं ?	1
ग)	संपादक के दो प्रमुख उत्तरदायित्वों का उल्लेख कीजिए ?	1
घ)	अंशकालिक पत्रकार किसे कहते हैं ?	1
ङ)	हिंदी के किन्हीं दो समाचार पत्रों का नाम लिखिए।	1
6.	कहानी का नाट्य- रूपांतरण करते समय किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए? लगभग 80-100 शब्दों में उत्तर लिखिए।	5
	अथवा	
	'फिल्मों में बढ़ती हिंसा' विषय पर 80-100 शब्दों में एक **आलेख** लिखिए ?	
	अथवा	
	'बाल श्रमिक' विषय पर 80-100 शब्दों में एक **फीचर** लिखिए।	
	खंड-ग	44
7.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए -**	2×3=6
	सोचिए बताइए आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है कैसा यानी कैसा लगता है (हम खुद इशारे से बताएँगे कि क्या ऐसा?) सोचिए बताइए थोड़ी कोशिश करिए (यह अवसर खो देंगे?)	

	आप जानते हैं कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे इंतज़ार करते हैं आप भी उसके साथ रो पड़ने का करते हैं ?	
क)	ये पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं और इसके कवि कौन हैं ?	2
ख)	संवाददाता अपाहिज से कौन-कौन-से प्रश्न पूछेगा ?	2
ग)	कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए संवाददाता क्या कार्य करता है ?	2
	अथवा	
	तव प्रताप उर राखि प्रभु जैहउँ नाथ तुरंत । अस कहि आयसु पाइ पद बंदी चलेउ हनुमंत ।। भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद प्रीति अपार । मन महुँ जात सराहत पुनि-पुनि पवनकुमार ।।	
क)	इस काव्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए।	2
ख)	हनुमान ने संजीवनी बूटी लाने के विषय में राम से क्या कहा ?	2
ग)	हनुमान भरत के किन गुणों से प्रभावित हुए ?	2
8.	**निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए -**	2×2=4
	आँगन में ठुनक रहा है ज़िद्याया है बालक तो है चाँद पै ललचाया है दर्पण उसे दे के कह रही है माँ देख आईने में चाँद उतर आया है ।	
क)	काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।	2
ख)	प्रस्तुत काव्यांश की शिल्प संबंधी कोई दो विशेषताएँ लिखिए ।	2
	अथवा	
	नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो ! और..... जादू टूटता है इस उषा का अब सूर्योदय हो रहा है ।	
क)	काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।	2

ख)	प्रस्तुत काव्यांश की शिल्प संबंधी कोई दो विशेषताएँ लिखिए ।	2
9.	**निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए -**	3×2=6
क)	'बात सीधी थी' कविता के आधार पर 'भाषा को सहूलियत' से बरतने के अभिप्राय को स्पष्ट कीजिए ।	3
ख)	'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर खेत और कागज़ के पन्ने की समानता के तीन बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।	3
ग)	कवि आलोक धन्वा ने अपनी कविता पतंग में बच्चे के मन की तुलना कपास से क्यों की है ?	3
10.	**निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए -**	2×3=6
	भक्तिन के संस्कार ऐसे हैं कि वह कारागार से वैसे ही डरती है, जैसे यमलोक से । ऊँची दीवार देखते ही, वह आँख मूंदकर बेहोश हो जाना चाहती है । उसकी यह कमज़ोरी इतनी प्रसिद्धि पा चुकी है कि लोग मेरे जेल जाने की संभावना बता-बताकर उसे चिढ़ाते रहते हैं । वह डरती नहीं, यह कहना असत्य होगा; पर डर से भी अधिक महत्व मेरे साथ का ठहरता है । चुपचाप मुझसे पूछने लगती है कि वह अपनी क्या धोती साबुन से साफ कर ले, जिससे मुझे वहाँ उसके लिए लज्जित न होना पड़े । क्या-क्या सामान बाँध ले, जिससे मुझे वहाँ किसी प्रकार की असुविधा न हो सके । ऐसी यात्रा में किसी को किसी के साथ जाने का अधिकार नहीं, यह आश्वासन भक्तिन के लिए कोई मूल्य नहीं रखता । वह मेरे न जाने की कल्पना से इतनी प्रसन्न नहीं होती, जितनी अपने साथ न जा सकने की संभावना से अपमानित । भला ऐसा अंधेर हो सकता है । जहाँ मालिक वहाँ नौकर मालिक को ले जाकर बंद कर देने में इतना अन्याय नहीं, पर नौकर को अकेले मुफ्त छोड़ देने में पहाड़ के बराबर अन्याय है । ऐसा अन्याय होने पर भक्तिन को बड़े लाट तक लड़ना पड़ेगा । किसी की माई यदि बड़े लाट तक नहीं लड़ी, तो नहीं लड़ी; पर भक्तिन का तो बिना लड़े काम ही नहीं चल सकता ।	
क)	भक्तिन की कौन सी कमजोरी प्रसिद्धि पा चुकी थी ?	2
ख)	गद्यांश के आधार पर भक्तिन के व्यक्तित्व की किन्हीं दो	2

	विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ?	
ग)	किस बात को भक्तिन नौकर के साथ अन्याय मानती है ?	2
	अथवा	
	जेब भरी हो और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली, पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी, तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है ! मालूम होता है यह भी लूँ , वह भी लूँ । सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीज़ों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को ज़रूर सेंक मिल जाता है पर इससे अभिमान की गिल्टी को और खुराक ही मिलती है।	
क)	'जादू' किसे कहा गया है और क्यों ?	2
ख)	यह जादू कब और किन स्थितियों में असर करता है ?	2
ग)	जादू का असर समाप्त होने पर ग्राहक की दशा कैसी हो जाती है? उसे क्या बोध होता है ?	2
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लिखिए -**	
क)	'काले मेघा पानी दे' पाठ की 'इंदर सेना' क्या युवाओं को रचनात्मक कार्य करने की प्रेरणा दे सकती है–तर्क सहित उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।	4
ख)	पहलवान लुट्टन सिंह को राजा साहब की कृपा-दृष्टि कब प्राप्त हुई ? वह उन सुविधाओं से वंचित कैसे हो गया ? 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।	4
	अथवा	
	'चार्ली की फिल्में भावनाओं पर टिकी हुई हैं, बुद्धि पर नहीं'– 'चार्ली चैप्लिन यानी हम सब' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।	

ग)	शिरीष की किसी एक विशेषता का उल्लेख कीजिए जिसके कारण आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी ने उसे 'कालजयी अवधूत' कहा है। लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।	2
12.	**निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए -**	4×3=12
(क)	यशोधर बाबू के प्रति बच्चों का व्यवहार उचित था या नहीं ? इस संबंध में आज की युवा पीढ़ी में बदलते जीवन मूल्यों पर अपने विचार लिखिए।	
(ख)	'जूझ' कहानी के शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि यह - शीर्षक कथा नायक की किस चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है ?	
(ग)	'डायरी के पन्ने' के आधार पर औरतों की शिक्षा और उनके मानवाधिकारों के बारे में ऐन फ्रेंक के विचारों को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।	
(घ)	'जूझ' कहानी के कथानायक का मन पाठशाला जाने के लिए क्यों तड़पता था ? उसे खेती का काम अच्छा क्यों नहीं लगता था ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।	
(ङ)	'मुअनजोदडो की सभ्यता पूर्ण विकसित मानव सभ्यता थी' - कथन के पक्ष में अपने तर्क लिखिए।	

नोट:-

पाठ्यक्रम 2019 - 20 में दिए गए प्रश्न पत्र के प्रारूप तथा प्रतिदर्श प्रश्न पत्र में दिए गए प्रारूप में विभिन्नता होने की स्थिति में, प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2019 - 20 के प्रारूप को ही अंतिम माना जाये।